पेज 03
विशेष समाचार बंगाल फतह में 'योगी फैक्टर'... » पेज 02
बंगाल हार के बाद अखिलेश ने... » पेज 04
रितेश की फिल्म 'राजा शिवाजी' की...

'वंदे मातरम' को मिला राष्ट्रीय गान के बराबर दर्जा

मोदी कैबिनेट ने प्रस्ताव को दी मंजूरी, अपमान पर होगी जेल, जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद PM नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा। अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तो पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'।

>> (शेष पेज 04 पर)

पीएम ने कहा, 'वंदे मातरम के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। पीएम मोदी ने एक घंटे की स्पीच में 121 बार वंदे मातरम कहा था।'

सरकार ने जारी की गाइड लाइन

केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की। गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है। राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह और ऐसे समारोहों में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं।

चुनाव में 'वंदे मातरम' बना बड़ा राजनीतिक मुद्दा

बजट सत्र के समापन पर संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम के सभी छह अंतरों का पाठ किया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान भाजपा ने वंदे मातरम को बंगाली अस्मिता और राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में पेश किया था। पार्टी ने इसके 150 वर्ष पूरे होने पर राज्यभर में सामूहिक गायन और पदयात्राओं का आयोजन किया।साथ ही, बंकिम चंद्र चटर्जी की विरासत को भी चुनावी अभियान में प्रमुखता से उठाया गया। भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम को बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के पावन अवसर पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था।

26 जनवरी 2026 को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान संस्कृति मंत्रालय की झांकी की तस्वीर।

नया प्रोटोकॉल

- राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाए / बजाया जाएगा
- सामूहिक रूप से पूरे छह पैरा गाए/बजाए जाएंगे
- राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे पूरे 3 मिनट 10 सेकंड में गाने होंगे
- जरूरत पड़ने पर गीत को प्रिंट करके बांट सकेंगे
- राष्ट्रगीत के दौरान सभी लोग सावधान मुद्रा में खड़े रहेंगे
- सरकारी स्कूलों में दिन की शुरुआत में सामूहिक गायन होगा।

कब-कब गाया जाएगा राष्ट्रगीत

- राष्ट्रध्वज को परेड में लाते समय
- तिरंगा फहराते समय
- किसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति के पहुंचने पर
- राष्ट्रपति के संबोधन से पहले और बाद में
- राज्यपाल/उपराज्यपाल के समारोह में
- राज्यपालों के भाषण से पहले और बाद में
- सिविलियन अवॉर्ड समारोह (भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री)
- स्कूलों में कामकाज शुरू होने से पहले

"केंद्र सरकार ने पिछले साल वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विशेष चर्चा का आयोजन किया था। लोकसभा और राज्यसभा में इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर राष्ट्रगीत को मुद्दा बना रही है। वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति के तहत वंदे मातरम के हिस्से काटने का आरोप लगाया था। भाजपा ने 1937 में देश के पहले ढट जवाहरलाल नेहरू की एक चिट्ठी शेयर की थी, जो उन्होंने सुभाष चंद्र बोस को लिखी थी।

सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए छूट

साथ ही, मंत्रालय ने सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट छूट प्रदान की है। निर्देश के अनुसार, फिल्म के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में वंदे मातरम बजाए जाने पर दर्शकों को खड़े होने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि मनोरंजन स्थलों में दर्शकों को खड़े होने के लिए मजबूर करने से देखने का अनुभव बाधित हो सकता है और संभावित रूप से दर्शकों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है।

गणतंत्र दिवस परेड में वंदे मातरम की झांकी निकली थी

दिल्ली में कर्तव्य पथ पर मुख्य परेड में इस साल 77वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य परेड की थीम वंदे मातरम रखी गई थी। परेड में संस्कृति मंत्रालय ने वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाली झांकी निकाली थी। इस झांकी को मंत्रालयों और विभागों की कैटेगरी में बेस्ट झांकी का अवॉर्ड मिला। एक प्रसिद्ध मराठी गायक द्वारा औपनिवेशिक काल की रिकॉर्डिंग और Gen Z का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह द्वारा इसका गायन दिखाया गया था।

तमिलनाडु में विजय की शपथ टल सकती है

सरकार बनाने 118 विधायक जरूरी, टीवीके के पास 113

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई/कोलकाता। तमिलनाडु में 7 मई को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह टल सकता है। TVK चीफ विजय ने बुधवार को लोकभवन में राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सूत्रों के मुताबिक, विजय ने 113 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा है। समर्थन पत्र में TVK 107 और कांग्रेस के 5 विधायकों के हस्ताक्षर हैं। ANI सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने 118 विधायकों के समर्थन के पत्र की मांग की। इस पर विजय ने समर्थन के लिए समय मांगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

टीवीके को बहुमत के लिए 11 विधायकों की जरूरत

विजय लेफ्ट और वीसीके जैसे छोटे दलों के भी संपर्क में हैं। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर AIADMK से भी समर्थन लिया जा सकता है। हालांकि, AIADMK में 20 विधायकों में टूट की खबर भी आ रही है।

बंगाल में भाजपा को टीएमसी से 32 लाख ज्यादा वोट

एसआईआर से हर सीट पर 30 हजार वोटर हटे, 176 सीटों पर इतने ही मार्जिन से जीत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को एकतरफा जीत मिली है। भाजपा को 207 और टीएमसी को 80 सीटें मिली हैं। भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस को 2 लाख 60 हजार 13 हजार 377 वोट मिले हैं। BJP को TMC से 32 लाख 11 हजार 427 ज्यादा वोट मिले हैं। यानी 293 सीटों के हिसाब से भाजपा को हर सीट पर औसत 10,960 वोट ज्यादा मिले। राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) से कुल 91 लाख वोट कटे। यानी हर सीट पर औसतन 30 हजार वोटरों के नाम काटे गए। कुल 293 सीटों में से 176 पर जीत का अंतर 30 हजार से कम और 117 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा। ऐसे में TMC अब चुनाव नतीजों को कोर्ट में चुनौती दे सकती है।

बंगाल में 30 हजार से कम मार्जिन पर जीत वाली 176 सीटों में भाजपा की 128 सीटें हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा मार्जिन पर जीत वाली 117 सीटों में भाजपा की 79 सीटें हैं। तृणमूल की 44 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम और 36 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा है। 2021 में भाजपा की 77 में से 72 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम था। प्रतिशत में देखें तो भाजपा ने इस बार 62% सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं, जबकि 2021 में ऐसी 93.5% थीं।

फास्ट न्यूज

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 37 होगी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत 33 जजों की तय संख्या है। सरकार इसमें चार नए जज जोड़ना चाहती है।

एस-400 के 5 नए स्क्वॉड्रन खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत सरकार एस-400 मिसाइलों के 5 नए स्क्वॉड्रन खरीदने की तैयारी कर रही है। इसके एक स्क्वॉड्रन में 8 लॉन्चर होते हैं और हर एक लॉन्चर में 4 मिसाइल कंटेनर होते हैं। इस हिसाब से करीब 32 बड़ी मिसाइलें मिलेंगी। पिछले साल 7 से 10 मई के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर में हमारे एयर डिफेंस सिस्टम की एस-400 मिसाइलों ने पाकिस्तान में 300 किलोमीटर अंदर घुसकर कहर बरपाया था, अब हमारे रक्षा बेड़े में उनकी तादाद बढ़ने जा रही है। खरीदी की दिशा में रूस के साथ चर्चा में सकारात्मक प्रगति हुई है। वायु सेना के लिए 5 एस-400 का पहला सौदा 2018 में हुआ था। 3 सिस्टम्स मिल चुके हैं।

12 साल बाद ब्रेक पर बद्रीनाथ पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री

चमोली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 21 दिन की विशेष साधना के लिए बद्रीनाथ धाम पहुंच गए हैं। बद्रीनाथ पहुंचने के बाद मंदिर परिसर में उनके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई भक्त हाथ जोड़कर आशीर्वाद लेते नजर आए, जबकि कुछ लोग भावुक होकर उनके सामने घुटनों के बल बैठ गए। धाम परिसर में जयकारों और मोबाइल कैमरों के बीच उनका स्वागत हुआ।

मुंबई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में आग

धुआं भरने से लोगों को बाहर निकाला गया, मेट्रो सर्विस कुछ समय के लिए प्रभावित

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई के अंधेरी ईस्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टी-2 के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन पर बुधवार शाम 4:10 बजे आग लग गई। अफसरों ने फौरन लोगों को बाहर निकाला और परिसर को खाली कर दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। आग लगने के कारण मेट्रो एक्वा लाइन-3 के अंडरग्राउंड कॉरिडोर में आरे JVLR से कफ परेड के बीच मेट्रो सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित रहीं। नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि आग टेक्निकल रूम में लगी थी। हालांकि आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। आग लगने से धुआं पूरे अंडरग्राउंड स्टेशन परिसर में फैल गया था, जिसके कारण दमकलकर्मियों को राहत और बचाव अभियान के दौरान ब्रीदिंग उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड

आग लगने के बाद मेट्रो स्टेशन का रास्ता बंद कर दिया गया।

(MMRCL) ने इसे मामूली घटना बताया है। MMRCL ने एक बयान में कहा, 'आज छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (CSMIA)-T2 स्टेशन पर धुएं की एक मामूली घटना हुई, जिस पर मौके पर मौजूद टीम ने तुरंत काबू पा लिया।' 9 अप्रैल को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर गुरुवार शाम आग लग गई थी।

जीरो टॉलरेंस से यूपी में निवेश बढ़ा : योगी

प्रयागराज में कहा- हमारी उदारता को कोई हमारी विवशता न समझने की भूल करे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 के अंतिम दिन CM योगी पहुंचे। उन्होंने कहा- यूपी में जीरो टॉलरेंस की नीति लागू करने के बाद प्रदेश में निवेश और निवेशक बढ़े हैं। उन्होंने कहा- आज हम सामरिक और आंतरिक शक्ति को इसलिए नहीं बढ़ा रहे कि हमें किसी पर आक्रमण करना है। अपितु इसलिए कि हमारी उदारता को कोई हमारी विवशता न समझने की भूल करे। राष्ट्र की समृद्धि के लिए सामर्थ्य हमेशा अनिवार्य है। समृद्धि केवल संसाधनों से नहीं आती है। इसके लिए सुरक्षा, स्थिरता और सामर्थ्य का मजबूत आधार उतना ही आवश्यक होता है। उन्होंने कहा- 2017 में सत्ता संभालने के बाद इन बातों को हम जानते थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर तेजी के साथ बढ़ रहा

सीएम योगी ने कहा-उत्तर प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर तेजी के साथ बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं। और हम सब इस बात को मानते हैं कि नेशन फर्स्ट...केवल हमारे लिए एक नारा नहीं है। यह हर भारतीय के लिए जीवन का मंत्र होना चाहिए। क्योंकि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं। ये हमारे लिए सर्वोपरि है। हमारे सैनिकों की जागती आंखों के कारण देश सुकून से सोता है।

सरकार के निर्णय पर माफिया हस्तक्षेप नहीं कर सकता

यही कारण है कि कानून व्यवस्था में सुधार आज उत्तर प्रदेश के अंदर रक्षा उद्योग के विस्तार में भी हमें मदद किया है। यानी ये दोनों एक ही संकल्प के दो अलग-अलग रूप हैं। कानून व्यवस्था हमारे लोकल उत्तर प्रदेश के लिए आवश्यक थी लेकिन उस कानून व्यवस्था का परिणाम आज हम उत्तर प्रदेश के अंदर हर सेक्टर में अच्छे निवेशकों को भी लाने में कामयाब हुए हैं।

"सीएम योगी ने कहा- आज हम कह सकते हैं कि पूरे भारत में यूपी के पास एक बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर है। एक्सप्रेस वे, हाईवे, रेलवे की कनेक्टिविटी, मेट्रो और एयर कनेक्टिविटी के रूप में है। आज सुरक्षा के प्रति सरकार के ध्यान देने का परिणाम ये रहा है कि देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक यूपी के अंदर निवेश करना चाहता है।"

कार्यवाई : जिस पाकिस्तानी गैंगस्टर के संपर्क में, उसने कल पंजाब में हुए ब्लास्ट की जिम्मेदारी ली थी

यूपी : ब्लास्ट की साजिश रच रहे 2 संदिग्ध आतंकी अरेस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में बुधवार को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) ने पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी देश के संवेदनशील ठिकानों पर सीरियल धमाके और पुलिस टीम पर हमले की साजिश रच रहे थे। आरोपियों में बाराबंकी निवासी 23 साल का दानियान अशरफ और कुशीनगर का रहने वाला 20 साल का कृष्णा मिश्रा है। दोनों पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के संपर्क में थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शहजाद भट्टी ने कहा था, 'मेरे कहने के

अनुसार काम करोगे तो मैं तुम्हें इंडिया में हीरो बना दूंगा।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने पंजाब में हुए धमाके की जिम्मेदारी ली है। पंजाब में मंगलवार की रात 3 घंटे के भीतर 2 जगह ब्लास्ट हुए थे। एटीएस के प्रवक्ता ने बताया, जानकारी मिली थी कि पाकिस्तानी

दानियाल ने गन की डिमांड की, कृष्णा को मर्डर का टास्क मिला

- दानियाल अशरफ ने एक राज्य के पुलिस स्टेशन का रेकी वीडियो बनाकर हैंडलर्स को भेजा था। उसने हमले के लिए पैसे और हथियार (गन) की मांग भी की थी। हम्माद ने आबिद जट की पाकिस्तानी डॉन लिखी फोटो भेजी थी, जिसकी 50 कॉपी छपवाकर महत्वपूर्ण जगहों पर चिपकाने की बात कही गई थी।
- कृष्णा मिश्रा के फोन में शहजाद भट्टी और आबिद जट के वीडियो मिले, जिनमें किसी वर्दीधारी व्यक्ति को गोली मारकर वीडियो भेजने का टास्क दिया गया था। रेकी का वीडियो भी बरामद हुआ है, जिसमें दोनों हैंडलर्स ने कृष्णा और उसके दो साथियों को यह टास्क सौंपा था।

आतंकवादी संगठन सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम के जरिए भारतीय युवाओं को फुट सोल्जर और स्लीपर सेल के रूप में भर्ती कर रहे हैं। पूछताछ में पता चला कि आरोपी दानियाल और कृष्णा पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। उनके फोन में शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के नंबर थे। इनके पास से वीडियो कॉल, वॉइस नोट्स, वॉट्सएप चैट और देश-विरोधी बातचीत के सबूत मिले हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

सबरीमाला केस, सुप्रीम कोर्ट बोला बार-बार रुख नहीं बदल सकते

बोहरा समाज में बहिष्कार और धार्मिक अधिकारों पर 1986 की पीआईएल की वैधता पर सवाल उठाए

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने 40 साल पुरानी जनहित याचिका (PIL) की वैधता पर सवाल उठाए। यह याचिका दाऊदी बोहरा समुदाय में बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) के अधिकार और उसके संवैधानिक संरक्षण से जुड़ी है। कोर्ट ने कहा कि उसे पुराने फैसले के साथ रहना होगा और वह अपना रुख अचानक नहीं बदल सकता। नौ जजों की संविधान पीठ यह सुनवाई कर रही है। इसमें महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश, जैसे सबरीमाला मंदिर, और अलग-अलग धर्मों में धार्मिक

"अगर पूजा के समय किसी दलित या वंचित वर्ग के इंसान को मौजूद रहने से रोका जाए, तो वह भेदभाव है।"
सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्रता के दायरे पर भी विचार हो रहा है। यह मामला 1986 में सेंट्रल बोर्ड ऑफ दाऊदी बोहरा कम्युनिटी की PIL से जुड़ा है। इसमें 1962 के उस फैसले को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ एक्सकम्युनिकेशन एक्ट, 1949 को रद्द कर दिया गया था। उस कानून के तहत किसी सदस्य को बहिष्कृत करना गैरकानूनी था। 1962 के फैसले में कहा गया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

कॉन्स्टिट्यूशन बेंच का फैसला बदला तो यह गंभीर मुद्दा

उन्होंने कहा, "हम भी सख्त नियमों से बंधे हैं। अगर हर आर्टिकल 32 की याचिका पर कॉन्स्टिट्यूशन बेंच के फैसले को बदला जाएगा, तो यह गंभीर मुद्दा है।" जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि कोर्ट कल सबरीमाला मामले में इसी तरह की याचिकाओं पर सवाल उठा रहा था। ऐसे में अब अलग रुख नहीं अपनाया जा सकता। इससे पहले मंगलवार को कोर्ट ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन से भी सवाल किए थे। इसी NGO की याचिका पर सबरीमाला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

सम्पादकीय

विपक्ष की एकता की नयी शुरुआत

प. बंगाल में भाजपा की जीत के बाद अब विपक्ष में नए सिरे से एकजुटता बनती नजर आ रही है। 4 मई की रात राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम और बंगाल में भाजपा द्वारा चुनाव आयोग के समर्थन से चुनाव धांधली के स्पष्ट उदाहरण हैं। हम ममताजी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से अधिक सीटें धांधली से जीती गईं। हमने पहले भी इस तरह की रणनीति देखी हैः मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, लोकसभा 2024 आदि। चुनाव चोरी, संस्था चोरी-अब और चारा ही क्या है! नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहली बार चुनाव चोरी, संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा के कब्जे की बात नहीं कही है, वे लगातार इस मुद्दे को संसद से सड़क तक उठाते रहे हैं। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में कितनी गड़बड़ियां कीं, इसके सबूत कर्नाटक, महाराष्ट्र से लेकर हरियाणा चुनावों के बाद राहुल गांधी ने दिखाए। अब एक बार फिर राहुल गांधी इसी चुनाव चोरी, संस्था चोरी की बात कह रहे हैं। लेकिन उसके बाद जब वे कहते हैं अब और चारा ही क्या है, तो यह उनकी निराशा नहीं है, बल्कि लोकतंत्र पर भाजपा के आखिरी प्रहार की गूंज है। अब कम से कम विपक्ष के बाकी दलों को सोचना चाहिए कि जब राहुल गांधी वोट चोरी पर बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करते थे और सैकड़ों पत्रकारों के सामने अकेले खड़े होकर उनके सवालों को लेने के लिए तैयार रहते थे, तब विपक्ष के बाकी दलों ने उनका उसी तरह साथ देने का जज्बा क्यों नहीं दिखाया। बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने जब वोटर अधिकार यात्रा निकाली तब टीएमसी की तरफ से ममता बनर्जी या अभिषेक बनर्जी भी उनके साथ उतरते तो क्या इसके बाद बंगाल में बिहार की तरह खेल संभव हो पाता? बहरहाल, पांच राज्यों के चुनावी नतीजों के बाद अब ऐसे किंतु-परंतु वाले कई सवाल विपक्ष के सामने खड़े हो चुके हैं।

बंगाल में बीजेपी की "अकल्पनीय जीत" का नया सूरज-और यूपी 2027 पर इसकी लंबी छाया

--------- अमिताभ नीलम

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अद्भुत, अकल्पनीय और कई मायनों में अविश्वसनीय जीत ने भारतीय राजनीति की धुरी को हिला दिया है। जिस राज्य को तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी का अभेद्य किला माना जाता था, वहां यह परिणाम किसी "नए सूरज" के उदय जैसा प्रस्तुत किया जा रहा है। यह जीत सिर्फ सीटों का आंकड़ा नहीं, बल्कि नैरेटिव की निर्णायक लड़ाई है। बीजेपी ने राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और विकास के एजेंडे को स्थानीय असंतोष के साथ जोड़ा और एक ऐसा राजनीतिक समीकरण गढ़ा, जिसने पारंपरिक वोट बैंक की सीमाएं तोड़ दीं। बंगाल का यह प्रयोग अब सीधे उत्तर प्रदेश 2027 के चुनावी रण में उतारा जाएगा। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी पहले ही आक्रामक चुनावी मुद्रा में है। बंगाल की जीत ने पार्टी को यह भरोसा दिया है कि मजबूत संगठन, स्पष्ट वैचारिक लाइन और आक्रामक कैडर मैनेजमेंट के दम पर किसी भी राजनीतिक किले को भेदा जा सकता है। यही मॉडल यूपी में और धारदार तरीके से लागू करने की तैयारी है—जहां कानून-व्यवस्था, "डबल इंजन" सरकार और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को चुनावी केंद्र बनाया जाएगा। वहीं विपक्ष के लिए यह एक गहरी चेतावनी है। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को समझना होगा कि केवल जातीय समीकरणों के सहारे बीजेपी की इस आक्रामक रणनीति का मुकाबला मुश्किल होगा। बंगाल ने दिखाया है कि जब चुनाव नैरेटिव और संगठन के स्तर पर लड़ा जाता है, तो पारंपरिक गणित पीछे छूट सकता है। फिर भी, एक सावधानी जरूरी है—यूपी और बंगाल की सामाजिक-राजनीतिक जमीन अलग है। यूपी में सत्ता विरोधी लहर उतनी तीखी नहीं है, और यहां स्थानीय समीकरण ज्यादा जटिल हैं। इसलिए बंगाल का "नया सूरज" यूपी में सीधी रोशनी नहीं देगा, बल्कि एक रणनीतिक छाया जरूर डालेगा। निष्कर्षतः, बंगाल की यह जीत बीजेपी के लिए आत्मविश्वास का विस्फोट है और यूपी 2027 के लिए एक आक्रामक ब्लूप्रिंट। अब देखना यह है कि यह "नया सूरज" यूपी की जमीन पर चमकता है या सिर्फ राजनीतिक आभा बनकर रह जाता है।

बंगाल फतह में 'योगी फैक्टर' का जलवा, आक्रामक नैरेटिव ने दिलाई बीजेपी को प्रचंड जीत

— कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और हिंदुत्व के मुद्दों पर सीधी चोट-योगी आदित्यनाथ की रणनीति ने बदला चुनावी माहौल —

पश्चिम बंगाल की सियासत में इस बार जो नतीजे सामने आए, उन्होंने राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया। भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के पीछे कई रणनीतिक परतें रहीं, लेकिन जिस एक चेहरे ने चुनावी माहौल को सबसे ज्यादा धार दी, वह रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। चुनाव प्रचार के दौरान योगी आदित्यनाथ ने बंगाल की राजनीति को सीधे मुद्दों की लड़ाई में बदल दिया। उनके भाषणों में "कानून-व्यवस्था", "महिला सुरक्षा" और "धार्मिक पहचान" जैसे विषय प्रमुखता से उभरे। उन्होंने लगातार ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य में अराजकता और तुष्टिकरण की राजनीति चरम पर है। इस आक्रामक रुख ने भाजपा के कोर वोट बैंक को मजबूती से एकजुट किया। योगी की रैलियों में उमड़ी भीड़ और उनकी तीखी, स्पष्ट भाषा ने कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के "दंगारहित शासन" और "कड़े प्रशासन" के मॉडल को बंगाल के सामने एक विकल्प के रूप में पेश किया। खासकर उन इलाकों में, जहाँ कानून-व्यवस्था और अवैध गतिविधियों को लेकर असंतोष था, यह संदेश तेजी से असरदार साबित हुआ। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, योगी आदित्यनाथ की "निर्णायक नेता" की छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा प्लस पॉइंट बनी। पार्टी ने इस छवि को रणनीतिक तरीके से इस्तेमाल करते हुए यह संदेश दिया कि सत्ता परिवर्तन के साथ ही प्रशासनिक ढांचे में कठोर बदलाव और तेज फैसले देखने को मिलेंगे। यह संदेश उन मतदाताओं तक सीधा पहुँचा, जो लंबे समय से बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। हालांकि, इस जीत का श्रेय सिर्फ एक नेता को देना अधूरा होगा। भाजपा की जमीनी संगठन क्षमता, केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति और स्थानीय मुद्दों पर लगातार काम भी इस सफलता के अहम आधार रहे। फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि योगी आदित्यनाथ ने चुनाव को "भावनात्मक और वैचारिक" स्तर पर नई दिशा दी। राजनीतिक रूप से यह जीत सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है। यह संकेत देती है कि राष्ट्रीय राजनीति में योगी आदित्यनाथ का कद लगातार बढ़ रहा है। आने वाले समय में, खासकर 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में, उनकी भूमिका और भी निर्णायक हो सकती है।

■ अमिताभ नीलम

भाजपा ने टीएमसी के साथ कॉन्ग्रेस और वामपंथी दलों की लुटिया भी डुबो दी

15 साल से बंगाल की सत्ता पर काबिज रहने वाली ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कॉन्ग्रेस के दिन अब लद गए हैं। भाजपा ने जबरदस्त पटखनी देते हुए न सिर्फ टीएमसी को हराया है बल्कि कॉन्ग्रेस और वामपंथी दलों की लुटिया डुबो दी है। ममता से पहले 34 साल तक सीपीएम के नेतृत्व में वामपंथी दलों का शासन यहाँ रहा है। उससे पहले कॉन्ग्रेस का शासन था। भाजपा पहली बार बंगाल में इतिहास रचने जा रही है। भाजपा के जबरदस्त सफलता का श्रेय पीएम मोदी और अमित शाह की मजबूत रणनीति को जाता है। उन्होंने राज्य की कमान सीधे संभाल कर चुनावी फिजा बदल दी । राज्य बनाम केन्द्र की पॉलिटिक्स करने वाली ममता बनर्जी को मात दी और जनता को बताने में सफल रहे कि केन्द्रीय योजनाओं को ममता बनर्जी सरकार ने लागू नहीं कर राज्य की जनता का नुकसान किया। पीएम मोदी का मजबूत और भरोसेमंद चेहरा आगे कर भाजपा ने जमीन पर जमकर पसीना बहाया। भाजपा ने संगठन को मजबूत कर एक-एक बूथ पर अलग रणनीति बनाई । बूथ मैनेजमेंट से लेकर वॉर रूम तक पर गृहमंत्री अमित शाह की नजर रही। पार्टी के कैडर तक को यह विश्वास दिलाया कि ममता बनर्जी की सरकार को बदला जा सकता है। ममता के खौफ का यह आलम था कि जनता उनके खिलाफ बोलने से कतराती थी। उस जनता ने इस बार टीएमसी के गुंडों को हराने का निश्चय किया और ममता की पार्टी के खिलाफ वोट डाला। हालाँकि टीएमसी का जमीन पर नेटवर्क हमेशा मजबूत रहा है, इसलिए चुनाव में टक्कर देखने लायक रही। जानकारों के अनुसार टीएमसी द्वारा हर बार जनता को डराया धमकाया जाता था। इस बार चुनावों में बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बलों की तैनाती, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। चुनाव को अपेक्षाकृत शांतिपूर्वक और निर्भय मतदान का संकल्प चुनाव आयोग ने पूरा किया। एसआईआर के माध्यम से वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण को लेकर माइग्रेंट यानी प्रवासी बड़ी संख्या में बंगाल पहुँचे। लाखों प्रवासी बंगालियों ने वोट डाला। दिल्ली-एनसीआर ही नहीं कई शहरों से प्रवासी बंगाली नागरिक वापस लौटे। दो चरणों में मतदान के चुनाव आयोग के फैसले ने टीएमसी के फर्जीवाड़े को रोकने में काफी हद तक सफलता पाई। फर्जी नामों के हटने का असर चुनाव के परिणाम पर पड़ा। इसके अलावा पहले के चुनावों में टीएमसी के कैडर एक क्षेत्र से चुनाव होने के बाद दूसरे क्षेत्र में जाकर लोगों को डराते-धमकाते थे और खून खराबा करते थे लेकिन इस बार यह मौका नहीं मिला। भाजपा की जीत में महिला वोटरों का अहम रोल रहा है। महिला सुरक्षा बंगाल में अहम मुद्दा रहा। भाजपा ने संदेशखाली और आरजीकर जैसी घटनाओं को टीएमसी के खिलाफ चुनाव में हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। महिला सम्मान की बात की। इसके अलावा केन्द्रीय योजनाओं को लागू करने और भाजपा द्वारा 3000 रुपए हर महीना महिलाओं को देने का वादा रंग लाया। हालाँकि ममता बनर्जी ने लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं के माध्यम से 1500 रुपए हर महीना महिलाओं को दे रही है। लेकिन, महिला सम्मान और सुरक्षा के साथ-साथ महिला आरक्षण को लेकर टीएमसी का मुखर विरोध महिलाओ को भाजपा के पक्ष में खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई। कुल मिलाकर महिलाओं का आशीर्वाद भाजपा को मिला। मुस्लिम तुष्टिकरण की टीएमसी की राजनीति ने इस बार हिन्दुओं को जोड़ा। बंगाल में करीब 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। परंपरागत रूप से ये टीएमसी के वोटर हैं लेकिन इस बार कई नए दावेदार मैदान में उतरे थे। एआईएमआईएम और हुमायूँ कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी ने मुस्लिम वोटों में सेंधमारी की। कॉन्ग्रेस और लेफ्ट तो पहले से मौजूद ही थी। चुनाव में हिन्दू वोटरों को एकजुट करने में भाजपा काफी हद तक सफल रही और आक्रामक रणनीति बना कर नए समीकरण पैदा किए। राज्य में करीब 68 फीसदी हिन्दू आबादी है। पिछले 15 साल से टीएमसी के राज में इन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। 15 सालों से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार को जनता बदलना चाहती थी। यही वजह है कि 'परिवर्तन' चाहने वाली बड़ी आबादी ने बाहर आकर चुपचाप भाजपा को वोट डाला। खराब कानून व्यवस्था, बेरोजगारी से परेशान लोगों ने विकास को चुना। बंगाल चुनाव में इस बार न तो कॉन्ग्रेस और न ही लेफ्ट विकल्प देने की स्थिति में थी। इसलिए जानकार मान रहे हैं कि ममता राज को उखाड़ फेंकने के लिए कॉन्ग्रेस और लेफ्ट के समर्थकों ने भी भाजपा को वोट किया। 24 परगना और उसके आसपास के क्षेत्रों में मतुआ फैक्टर काफी कारगर रहा। सीएए को लेकर इस समुदाय को भाजपा से काफी उम्मीदें हैं। ये लोग भाजपा के वोटर हैं और इन लोगों ने अपने इलाके में भाजपा के पक्ष में हवा बनाने में अहम भूमिका निभाई।

■ रामस्वरूप रावतसरे

इसमें सबसे आगे ... अशोक भाटिया

क्षेत्रीय दलों की ढीली होती पकड़

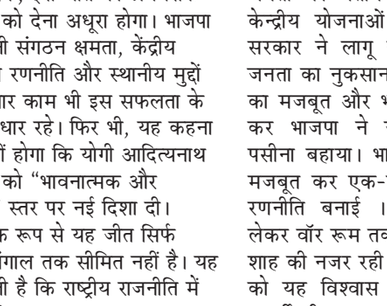

2026 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने देश की राजनीति में एक बड़ा ट्रेंड साफ कर दिया है। क्षेत्रीय पार्टियों की पकड़ लगातार कमजोर हो रही है और मतदाता तेजी से राष्ट्रीय दलों खासकर भारतीय जनता पार्टी की ओर झुकते दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की 15 साल पुरानी सत्ता का अंत और तमिलनाडु में डीएमके की अप्रत्याशित हार इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत है। तमिलनाडु में जहां नई पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने राजनीति में दमदार एंट्री की, वहीं यह भी साफ हुआ कि पारंपरिक क्षेत्रीय राजनीति पार्टियों का प्रभाव पहले से कमजोर हुआ है। तमिल पहचान और गौरव के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली डीएमके को सत्ता विरोधी लहर ने करारा झटका दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी हार का सामना करना पड़ा। यह ये भी दिखाता है कि केवल क्षेत्रीयता की भावना चुनाव जिताने के लिए काफी नहीं हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों की स्थिति कमोबेश यही है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा को चुनौती दे रही थीं, लेकिन भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जीत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का सफाया कर दिया और अगले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का क्या हो सकता है, यह समझाने के लिए किसी राजनीतिक विचारक की जरूरत नहीं है। हालांकि, तृणमूल के भविष्य की भविष्यवाणी की जा सकती है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनकी सरकार का बजट एक अलग मुद्दा है, लेकिन अगर ममता जीत गई होतीं, तो वह हमेशा चुनौतीपूर्ण राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं। बनर्जी को भी घर भेज दिया गया है। यह सिर्फ इस राज्य में नहीं हुआ है। दो साल पहले भाजपा ने पड़ोसी ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजू जनता दल के 25 साल के शासन को इसी तरह खत्म कर दिया था। नवीन पटनायक ने हमेशा भाजपा के पक्ष में रुख अपनाया था, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि वह पटनायक को हरा सकते हैं, तो भाजपा ने आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाया और घर में एक पुराने दोस्त को स्थापित किया। आश्चर्यचकित मत होइए। आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना में केके रेड्डी। भाजपा ने दो क्षेत्रीय दलों चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्रियों को भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया। इन दोनों दलों ने संसद में समय-समय पर भाजपा की मदद की है। लेकिन जब समय आया तो भाजपा ने दोनों सहयोगियों को पीछे धकेल दिया। इतना ही नहीं, हमेशा से बीजेपी की मददगार रही और हमेशा विपक्ष की दोस्त रही चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को दिल्ली में शराब घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। बीजेपी ने जगन मोहन के विरोधी तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू के साथ गठबंधन किया और कर्नाटक में देवगौड़ा के सेक्युलर जनता दल को गिरा दिया, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी 10 साल तक दिल्ली की सत्ता में रही। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों को बांटकर बीजेपी ने इस बात की झलक दिखाई है कि पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या हो सकता है। इस सूची में बीएसपी को भी शामिल किया जा सकता है जो फिलहाल आप की तरह ही राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है पर 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर पड़ गई थी और अपने गढ़ उत्तर प्रदेश में उसका आधार भी खिसकता दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में बसपा का वोट शेयर 19। 4% (2019) से गिरकर मात्र 9। 39% (2024) रह गया। 2024 में इसने अपने सभी 10 सीटें गंवा दीं और शून्य पर सिमट गई। हालांकि इस बीच इसने मध्य प्रदेश में मामूली सुधार किया। यहां वोट शेयर 2019 के 2। 38% से बढ़कर 2024 में 3। 28% हो गया। क्षेत्रीय दलों के प्रति भाजपा की कितनी जुनूनी है, इस मामले में महाराष्ट्र का उदाहरण बहुत पुराना नहीं है।भाजपा ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बगावत को भड़काकर शिवसेना और एनसीपी दोनों को कमजोर कर दिया। इन दोनों दलों के पास अब भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही 2029 में राज्य में आत्मबल का मंत्र दे चुके हैं। अगर ऐसा मौका मिलता है तो बीजेपी छूट जाएगी। अकाली दल (पंजाब), असम गण परिषद (असम) और गोवा में महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) ने इन राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ हाथ मिलाया है। 1970 के दशक में भाषाई प्रांतीयतावाद के कारण क्षेत्रीय दलों का धीरे-धीरे उदय हुआ, जिसके परिणामस्वरूप असंतोष पैदा हुआ, बढ़ती क्षेत्रीय पहचान, कांग्रेस के सत्ता में रहने पर राज्यों की उपेक्षा हुई, दक्षिण भारत में क्षेत्रीय पहचान जल रही थी और क्षेत्रीय दलों के लिए माहौल बना था। द्रमुक ने 1967 में हिंदी मजबूरी के खिलाफ आंदोलन के माध्यम से तमिलनाडु में सत्ता हासिल की, तब से लेकर राज्य में कल टीवी की जीत तक, द्रमुक और उसके सहयोगी दलों ने राज्य में बिखरी हुई अन्नाद्रमुक का दबदबा बना हुआ है। फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव द्वारा स्थापित तेलुगू देशम ने दो तिहाई से अधिक सीटें जीती हैं, जबकि मुंबई में शिवसेना 'हटाओ लुंगी' के नारे पर आगे बढ़ी है। गिरा दिया। शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव तक, विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं की जड़ें कांग्रेस में हैं। उस अर्थ में, यह कांग्रेस के पेड़ पर एक भ्रष्टाचार है, लेकिन इन नेताओं ने आंतरिक विरोध या दिल्ली की राजनीति से अपनी पार्टियां बनाईं। हालांकि सिमटते क्षेत्रीय दलों के संदर्भ में कुछ अपवाद भी हैं। इसमें सबसे आगे झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा है।

उनके करियर की ... सुभाष शिरढोनकर

'परफैक्ट फिगर' के लिए मशहूर हैं निक्की तंबोली

'बिग बॉस 14' (2020-2021) और 'फीयर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 11' (2021) जैसे शोज में नाम कमा चुकी पॉपुलर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन निक्की तंबोली अपने 'परफैक्ट फिगर' के लिए बेहद मशहूर है, खासकर उनकी बेहद पतली कमर को देखकर हर किसी को अचरज होता है । निक्की की अदाएं, उनकी शारीरिक भाषा में झलकता आत्मविश्वास और ग्लैमर गजब का है। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों में वह अक्सर अपने सिजलिंग ग्लैमरस लुक्स और अपनी बोल्डनेस की वजह से सनसनी मचाती रहती हैं। उनकी तस्वीरें देख फैंस के पसीने छूट जाते हैं। कलर टीवी के रियलिटी शो 'द 50' (2026) में अपने ब्वाय फ्रेंड अरबाज पटेल के साथ निक्की को जबर्दस्त लोकप्रियता मिली। पिछले डेड साल से वह अरबाज के रिलेशनशिप में हैं। रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी 5' (2024) में जब निक्की और अरबाज ने साथ में हिस्सा लिया, तब दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी और वे एक दूसरे को दिल दे बैठे थे। पिछले साल ही दोनों ने अपनी इस रिलेशनशिप पर ऑफिशियल कंफर्मेशन दी। ढेर सारे रियलिटी शो के अलावा निक्की को अब तक कई म्यूजिक वीडियो में भी देखा गया। साल 2021 में उन्होंने अपना पहला म्यूजिक वीडियो 'बर्थडे पावरी....' किया था। शांति गाबा के साथ 'शांति...' (2021) और टोनी कक्कड़ के एक 'नंबर लिख...' (2021) म्यूजिक वीडियोज में निक्की तम्बोली को काफी अधिक पसंद किया गया। पिछले साल निक्की म्यूजिक वीडियो 'भीगने दे...' (2025) में नजर आई जिसे ऑडियंस ने खूब पसंद किया। खूबसूरत और ग्लैमरस निक्की तम्बोली ने अपने करियर की शुरुआत बेहद कम उम्र में बतौर मॉडल की । महज 21 साल की उम्र में वह एक दर्जन से ज्यादा एड फिल्मों में काम कर चुकी थीं। निक्की ने तेलुगू हॉरर कॉमेडी फिल्म 'चिकाती गडिलो चिथाकोट्टुडु' (2019) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। उसी साल उन्होंने एक्शन हॉरर फिल्म 'कंचना 3' (2019) में दिव्या के किरदार से तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। उनके करियर की तीसरी फिल्म तेलुगु में बनी 'थिप्पारा मीसम' (2019) थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के मेन लीड रोल वाली फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' (2023) में एक आयटम सांग 'कॉकटेल.....'के जर्ये निक्की ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में शुरूआत की। इस आयटम के जर्ये उन्होंने हिंदी सिने दर्शकों के होश उड़ा दिए। 'जोगीरा सारा रा रा' (2023) में निक्की के आयटम नंबर को मिली कामयाबी के बाद उन्हें जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि लीड रोल वाली पंजाबी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'बदनाम' (2025) में एक आयटम करने का अवसर मिला। पंजाबी में यह उनकी डेब्यू फिल्म थी।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने... सरिता वर्मा

बुंदेलखण्ड क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि ला रहा है बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे

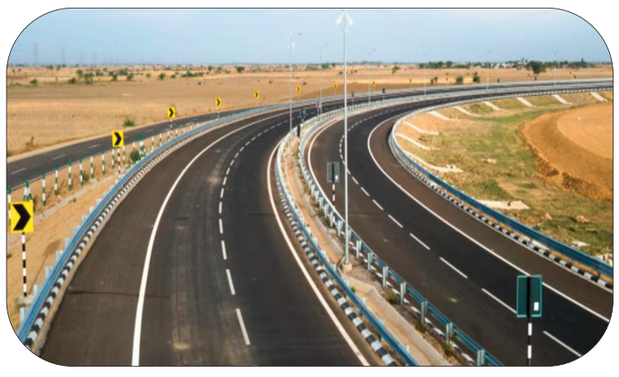

किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़के रीढ़ का काम करती है। सड़कों के निर्माण होने से सम्बन्धित क्षेत्र का विकास बड़ी तेजी के साथ होता है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र उत्तर प्रदेश का ऐसा क्षेत्र रहा है, जहाँ त्वरित आवागमन का अभाव था। पथरीला क्षेत्र होने के कारण क्षेत्र वासियों को कई तरह की कठिनाई आती थी। प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुन्देलखण्ड के विकास के लिए विशेष पैकेज दिये और इस क्षेत्र में सिंचाई के लिए जहाँ बाधों, नलकूपों व तालाबों का निर्माण कराया है, वहीं पेयजल परियोजनायें पूर्ण कर ग्रामवासियों को जल आपूर्ति की जा रही है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराना, बुन्देलखण्ड वासियों को बहुत बड़ा तोहफा दिया गया है, जिसे उस क्षेत्र की आने वाली पीढी सदैव याद रखेगी। यह एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड के जनपद चित्रकूट, बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन से गुजरते हुए औरैया व जनपद इटावा में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे में जुड़ जाता है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे विकास का पहियाः प्रदेश सरकार बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है। बुन्देलखण्ड वासियों की हर क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि और विकास करना सरकार का ध्येय है। इस क्षेत्र के विकास के लिए जितना ध्यान वर्तमान सरकार ने दिया है, उतना पूर्व में किसी ने ध्यान नहीं दिया। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण का शुभारम्भ एवं लोकार्पण देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। यह एक्सप्रेस-वे 296 किमी लम्बा है। यह जनपद चित्रकूट बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया होते हुए इटावा जनपद में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे में मिलता है। अभी यह फोर लेन का है जिसे आगे चलकर 6 लेन भी बनाया जायेगा। इसमें चार रेलवे ओवर ब्रिज, 14 बडेपुल, सात रैम्प प्लाजा, 268 छोटेपुल. 18 फ्लाई ओवर और 214 अन्डरपास बनें है। इस एक्सप्रेस-वे को समयान्तर्गत पूर्ण कर लिया गया है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से बुन्देलखण्ड के 138 ग्राम और औरैया व इटावा के 44 ग्रामों का सीधा जुडाव हो गया है। किसानों का हो रहा है फायदाः बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल रहा है। किसानों को उनकी उपज की फसलें मण्डियों तक पहुँचाने में शीघ्रता हो रही है। स्थानीय फसल, फल, फूल, सब्जियों, दूध आदि जल्द खराब होने वाली फसलों को बाजारों, मण्डियों तक पहुँचने में शीघ्रता और ताजी होने पर सही मूल्य भी मिल रहा है। यदि किसान अपनी उपज को बाहर की मण्डियों, शहरों में बेचना चाहेगा तो उसका भी उसे फायदा मिलेगा। किसानों को खेती किसानी करने के लिए आवश्यक बीज, खाद आदि भी समय से मिलते रहेगें। किसानों को उनकी फसल का वाजिब मूल्य मिलने से उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो रही है।

पर्यटन को बढ़ावाः सांस्कृतिक धरोहर को संजोये हुए बुन्देलखण्ड अपनी गौरवशाली परंपरा एकता और आपसी भाई चारे के लिए जाना जाता है। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से बुन्देलखण्ड समृद्ध है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से पर्यटकों को देखने के लिए झाँसी का किला, ओरछा का किला, चतुर्भुज का मन्दिर, जहाँगीर महल, ओरछा वन्य जीव अभ्यारण, मध्य प्रदेश में पड़ने वाला खजुराहो आदि नजदीक पड़ते है। कालिंजर का किला, चित्रकूट धाम, भरतकूप, राजापुर, कालपी, महोबा, उरई, बटेश्वर आदि ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों को देखने, दर्शन करने के लिए पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से बुन्देलखण्ड पर्यटन का हब बन रहा है। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय लोककला, लोकसंस्कृति, स्थानीय निर्मित वस्तुएं, दस्तकारी आदि को बढ़ावा मिलेगा और लोगों की आर्थिक प्रगति के साथ ही रोजगार में बढ़ोतरी होगी। स्थानीय उत्पाद एवं रोजगार को मिलेगा बढ़ावाः बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण से स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलना शुरू हो गया है। आवागमन की अच्छी सुविधा होने पर क्षेत्रीय युवकों को स्वरोजगार के साथ-साथ स्थानीय हस्तकला, दस्तकारी, लोककला, पत्थर की मूर्तियों व खनन सामग्री आदि को बढ़ावा मिल रहा है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से स्थानीय लोग सड़कों के किनारे विभिन्न तरह के खान-पान के लिए दुकानें, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबा, वाहन मरम्मत, इलेक्ट्रानिक्स सामानों, स्थानीय खाद्य वस्तुओं, कृषि उपज, स्थानीय लोककला के बर्तन वस्त्र आदि बेचने की दुकानें खोलकर अपना धन्धा शुरू कर रहे हैं। उन्हें भविष्य में अच्छा लाभ होगा। लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही एक्सप्रेस-वे के किनारे एवं औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित उद्योगों, फैक्टरियों आदि में भी कुशल, अकुशल श्रमिकों, तकनीशियनों, प्राविधिक शिक्षा प्राप्त युवाओं/युवतियों को नौकरियों मिलेंगी। इससे लोगों को विभिन्न प्रकार के रोजगार का सृजन होगा। ईंधन की कम खपत व प्रदूषण में कमीः बुन्देलखंड एक्सप्रेस के बनने से वाहनों की गति में तेजी आ रही है और वाहन घूमकर ज्यादा रास्ता तय कर अपनी मंजिल पर पहुँचने के बजाय एक्सप्रेस वे से उनकी मंजिल कम हो रही है और शीघ्र ही अपने गन्तव्य तक पहुँच रहे है। इससे वाहनों के ईंधन में कमी आ रही है और वाहनों के ईंधन में कमी से पैसा भी बच रहा है। अच्छी और गुणवत्तायुक्त सड़क से चलने पर ईंधन की खपत कम होती है। ज्यादा दूरी तक वाहन चलाने व जाम की समस्या होने पर वाहनों से ज्यादा धुआ निकलता है. इससे प्रदूषण बढ़ता है। किन्तु एक्सप्रेस-वे से कहीं जाम व गति में धीमापन न होने से प्रदूषण कम होगा। साथ ही सड़क किनारे वृक्षारोपण भी हो रहा है। इससे प्रदूषण और कम होगा।

देश व प्रदेश के अन्य एक्सप्रेस-वे से कनेक्टिविटीः बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे के निर्माण से पूरा बुन्देलखंड क्षेत्र देश व प्रदेश की राजधानियों सहित अन्य प्रदेशों से भी सीधे जुड़ गया है।

आईपीएल 2026 प्लेऑफ का शेड्यूल जारी

धर्मशाला और चंडीगढ़ में प्लेऑफ मुकाबले होंगे, फाइनल 31 मई को

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों का शेड्यूल जारी हो गया है। इसकी शुरुआत 26 मई को क्वालीफायर-1 मुकाबले से होगी। टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने मंगलवार को प्लेऑफ मुकाबलों का डिटेल जारी किया।

IPL 2026 में 5 मई तक 48 मैच खेले जा चुके हैं। प्लेऑफ मुकाबले 70 मैच के बाद खेले जाएंगे। IPL 2026 का पहला प्लेऑफ मुकाबला यानी क्वालीफायर-1 धर्मशाला के एचपीसीए (HPCA) स्टेडियम में 26 मई को खेला जाएगा। इसमें पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद टूर्नामेंट चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शिफ्ट होगा।

अहमदाबाद में लगातार दूसरे साल फाइनल मुकाबला

सीजन का ग्रैंड फिनाले 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मोदी स्टेडियम लगातार दूसरे साल खिताबी मुकाबले की मेजबानी करेगा। IPL 2025 का फाइनल भी यहीं खेला गया था, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

चंडीगढ़ में होंगे एलिमिनेटर और क्वालीफायर-2

इसके बाद टूर्नामेंट का कारवां चंडीगढ़ शिफ्ट होगा, जहां New International Cricket Stadium में दो अहम मुकाबले खेले जाएंगे।

- **27 मई: एलिमिनेटर (तीसरे और चौथे स्थान की टीमें)**
- **29 मई: क्वालीफायर-2 (एलिमिनेटर विजेता बनाम क्वालीफायर-1 हारने वाली टीम)**

क्वालीफायर-2 जीतने वाली टीम फाइनल में प्रवेश करेगी।

यहां 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को क्वालीफायर-2 के मैच खेले जाएंगे। IPL 2026 में 70 लीग मैचों के साथ कुल 74 मैच खेले जाएंगे। 28 मार्च 2026 को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में, अब तक 48 मैच हो चुके हैं और प्लेऑफ की दौड़ रोमांचक हो गई है। पंजाब किंग्स (PBKS) अभी 13 पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर है, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) सबसे निचले पायदान पर है।

बेंगलुरु से अहमदाबाद क्यों शिफ्ट हुआ फाइनल?

इस साल प्लेऑफ के लिए तीन अलग-अलग वेन्यू चुने गए हैं। पहले फाइनल की मेजबानी बेंगलुरु को दी गई थी। हालांकि, स्थानीय एसोसिएशन और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगें थीं जो BCCI के प्रोटोकॉल और गाइडलाइंस के दायरे से बाहर थीं। इसी कारण वेन्यू को बदलना पड़ा और अहमदाबाद को फाइनल की जिम्मेदारी सौंपी गई।

खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन बायकॉट की चेतावनी दी

सबालेंका बोलीं-इनामी राशि नहीं बढ़ी तो खिलाड़ी टूर्नामेंट छोड़ सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला वर्ल्ड नंबर-1आर्यना सबालेंका ने मंगलवार को कहा कि अगर फ्रेंच ओपन में प्राइज मनी नहीं बढ़ाई गई तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकते हैं। अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने भी इसका समर्थन किया। पुरुष वर्ग के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर और टॉप-10 के कई अन्य खिलाड़ियों ने भी इनामी राशि को लेकर नाराजगी जताई है। सबालेंका का बयान ऐसे समय आया है, जब आयोजकों और खिलाड़ियों के बीच कमाई के बंटवारे को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस साल फ्रेंच ओपन की प्राइज मनी 9.5% बढ़कर 61.7 मिलियन यूरो (686 करोड़ रुपए) हो गई है, लेकिन खिलाड़ी इसे कम मानते हैं। खिलाड़ियों ने सोमवार को दावा किया कि टूर्नामेंट रेवेन्यू में उनकी हिस्सेदारी 2024 के 15.5% से घटकर 2026 तक 14.9% हो सकती है। खिलाड़ी रेवेन्यू में 22% हिस्सेदारी चाहते हैं, जो ATP और WTA के 1000 लेवल टूर्नामेंट्स के बराबर है।

इटालियन ओपन के दौरान 28वां जन्मदिन मना रहीं आर्यना सबालेंका ने कहा, 'हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होगा और न ही कोई मनोरंजन। मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से रेवेन्यू का ज्यादा प्रतिशत पाने के हकदार हैं।' उन्होंने कहा, 'एक समय ऐसा आएगा जब हम इसका बहिष्कार करेंगे। मुझे लगता है कि अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका बचा है। खिलाड़ी सिर्फ इनामी राशि ही नहीं, बल्कि चारों ग्रैंड स्लैम-ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन चैंपियनशिप और यूएस ओपन से बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य सुविधाएं और पेंशन की भी मांग कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

साउथ एक्टर जीवा के पिता की सड़क हादसे में मौत

रायपुर मारवाड़ (ब्यावर)। ब्यावर जिले में सड़क हादसे में साउथ फिल्मों के प्रोड्यूसर और एक्टर जीवा के पिता रतनलाल भगतराम चौधरी (76) की मौत हो गई। हाईवे पर गाय को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने सेफ्टी डिवाइडर से टकरा गई। हादसा इतना गंभीर था कि आर.बी. चौधरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर एनएचएआई (NHAI) की एंबुलेंस से रायपुर के उप जिला अस्पताल ले जाया गया।

चौथी तिमाही में पीएनबी का मुनाफा 14% बढ़कर 5,225 करोड़

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने 5 मई को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 14% बढ़कर 5,225 करोड़ रहा है, जो पिछले साल इसी तिमाही में 4,567 करोड़ था। वहीं पिछली तिमाही में ये 5,100 करोड़ था। पूरे वित्त वर्ष यानी 2025-26 में पीएनबी का मुनाफा 1.64% बढ़कर 16904 करोड़ हो गया। एक साल पहले यानी वित्त वर्ष 2024-2025 में बैंक का मुनाफा 16630 करोड़ रहा था। बैंक ने नतीजों के साथ ही वित्त वर्ष 2026 के लिए 3 प्रति शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की है। यह 2 फेस वैल्यू वाले शेयर पर 150% का भुगतान है। इस पर अंतिम फैसला आगामी एनुअल जनरल मीटिंग (AGM) में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लिया जाएगा।

पब्लिक वाई-फाई का पूरे देश में एक ही पासवर्ड होगा

नई दिल्ली। सरकार पीएम-वाणी की विफलता से सबक लेते हुए एक नया और उन्नत पब्लिक वाई-फाई सिस्टम लाने की तैयारी कर रही है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर अनुभव को बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है। अब यूजर्स को हर हॉटस्पॉट के लिए अलग ओटीपी की जरूरत नहीं होगी। देशभर में फैले 4 लाख हॉटस्पॉट पर एक ही ओटीपी या पासवर्ड से लॉगिन किया जा सकेगा। दूरसंचार नियामक (ट्राई) ने इसका परामर्श-पत्र जारी करके लोगों से सुझाव मंगाए हैं।

मिसाइल अटैक से विदेश में फंसी अमीषा पटेल भारत लौटीं

कहा- दुआओं के लिए शुक्रिया, 24 घंटे की देरी के बाद मुंबई पहुंचीं फ्लाइट

मुंबई, एजेंसी

एक्ट्रेस अमीषा पटेल आखिरकार सुरक्षित मुंबई लौट आई हैं। वह न्यूयॉर्क से मुंबई की यात्रा कर रही थीं, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में हुए मिसाइल हमलों के कारण यूएई (UAE) का एयरस्पेस अचानक बंद कर दिया गया। इस वजह से उनकी फ्लाइट को बीच रास्ते से ही ओमान के मस्कट शहर की ओर डायवर्ट करना पड़ा। वहां करीब 24 घंटे से ज्यादा समय तक फंसे रहने के बाद वह सोमवार को अपने घर पहुंचीं। अमीषा एमिरेट्स की फ्लाइट से न्यूयॉर्क से वाया दुबई होकर मुंबई आ रही थीं। जब उनका प्लेन दुबई में लैंड करने ही वाला था, तभी यूएई अथॉरिटीज ने हवाई क्षेत्र को पूरी तरह बंद करने का आदेश जारी कर दिया। इसकी वजह क्षेत्र में हुए ताजा मिसाइल और ड्रोन हमले बताए जा रहे हैं। सुरक्षा कारणों से पायलट को फ्लाइट का रुख मस्कट की ओर मोड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों के बीच काफी समय तक अनिश्चितता बनी रही। अमीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर अपना यह तनावपूर्ण अनुभव शेयर किया। उन्होंने लिखा, ₹दुबई लैंड करने ही वाले थे कि मिसाइल हमलों की वजह से एयरस्पेस बंद हो गया। हमें मस्कट भेज दिया गया है और अब हम अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। यह जंग कब खत्म होगी! मैं दुआ कर रही हूं।₹ उनके साथ डीजे चेतस और प्रोड्यूसर कुणाल गूमर भी यात्रा कर रहे थे। एयरपोर्ट लाउंज में लंबा समय बिताने के बाद उन्होंने एक फोटो शेयर कर बताया कि उन्हें सफर शुरू किए 24 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं।

टॉप-5 मराठी फिल्मों में शामिल, महाराष्ट्र में टैक्स-फ्री करने की मांग

रितेश की फिल्म 'राजा शिवाजी' की कमाई 50 करोड़ पार

मुंबई, एजेंसी

रितेश देशमुख के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'राजा शिवाजी' ने बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित इस फिल्म को मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज किया गया था। हालांकि रिलीज के पांचवें दिन (मंगलवार) को फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट देखी गई। सैक्निल्क की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को फिल्म ने मराठी वर्जन में करीब 3.35 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। यह सोमवार के मुकाबले करीब 20.4% कम है। फिल्म के अब तक के कुल नेट कलेक्शन की बात करें, तो यह 44 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें मराठी वर्जन का योगदान सबसे ज्यादा 30.5 करोड़ रुपए है।फिल्म का इंडिया ग्रॉस कलेक्शन अब 52.68 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। हिंदी वर्जन की शुरुआत मराठी के मुकाबले थोड़ी धीमी रही थी।

फिल्म में है बड़ी स्टारकास्ट

1 मई को रिलीज हुई इस फिल्म में रितेश देशमुख ने न सिर्फ मुख्य भूमिका निभाई है, बल्कि इसका निर्देशन भी खुद किया है। फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, भाग्यश्री और जेनेलिया देशमुख जैसे बड़े सितारे अहम किरदारों में नजर आए हैं। इनके अलावा महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते ने भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

हालांकि शुरुआती दिनों की मजबूत कमाई के चलते फिल्म की कुल नेट कमाई 44 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है।

फिल्म का कुल इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 52.68 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। हिंदी वर्जन की शुरुआत भले धीमी रही हो, लेकिन अच्छे रिव्यू और पॉजिटिव वर्ड-ऑफ-माउथ के चलते अब हिंदी बेल्ट में भी फिल्म की कमाई में तेजी आ रही है। इसी के साथ 'राजा शिवाजी' मराठी सिनेमा की टॉप-5 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है।

बीजेपी जीती तो बांग्लादेश में सत्ताधारी पार्टी खुश

कहा- रिश्ते मजबूत होंगे, ममता बनर्जी की वजह से तीस्ता नदी समझौता नहीं हो पाया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी BNP ने पश्चिम बंगाल में BJP की जीत पर खुशी जताई है। न्यूज एजेंसी ANI से बात करते हुए BNP के सूचना सचिव अजीजुल बारी हेलाल ने BJP को जीत की बधाई दी और कहा कि इससे भारत-बांग्लादेश संबंध मजबूत हो सकते हैं। उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर तीस्ता जल बंटवारे समझौते में देरी करने का आरोप लगाया और कहा कि वह इसमें सबसे बड़ी रुकावट थी। उन्होंने दावा किया कि यह समझौता बांग्लादेश सरकार और मोदी सरकार दोनों ही चाहते थे। हेलाल ने उम्मीद जताई कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी सरकार भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को बेहतर बनाएगी और तीस्ता समझौते को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि भारत के राज्यों में बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा पश्चिम बंगाल की ही लगती है। इसलिए वहां की राजनीति का असर सीधे दोनों के संबंधों पर पड़ता है। वहां सत्ता बदलना दोनों देशों के लिए अच्छा है। इससे दोनों देशों के बीच सीमा मुद्दों पर भी सुधार हो सकता है। साल 2008 में शेख हसीना के पीएम बनने के बाद से बांग्लादेश की मांग तेज होने लगी। 2011 में जब कांग्रेस की सरकार थी तब भारत, तीस्ता नदी जल समझौता पर दस्तखत करने को तैयार हो गया था। इसमें बांग्लादेश को 37.5% और भारत को 42.5% पानी देने की बात थी। बाकी 20% किसी देश को देने के लिए तय नहीं था। इसे 'अनएलोकेटेड' या रिजर्व पानी माना गया था। ये हिस्सा नदी के प्राकृतिक बहाव, पर्यावरण और जरूरत के हिसाब से छोड़ा जाता है, ताकि नदी सूख न जाए और इकोसिस्टम बना रहे। हालांकि, तब ममता बनर्जी की नाराजगी की वजह से मनमोहन सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी PM बने। एक साल बाद वो बंगाल की CM ममता बनर्जी के साथ बांग्लादेश गए। इस दौरान दोनों नेताओं ने बांग्लादेश को तीस्ता के बंटवारे पर एक सहमति का यकीन दिलाया था।

तीस्ता नदी का 50% पानी चाहता है बांग्लादेश

तीस्ता नदी हिमालय के पाहुनरी ग्लेशियर से निकलती है। यह सिक्किम से पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश जाती है और बाद में ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। यह नदी कुल 414 किलोमीटर का रास्ता तय करती है। इस नदी से बांग्लादेश के 2 करोड़ और भारत के 1 करोड़ लोगों का जीवनयापन जुड़ा है। इस लंबी यात्रा के दौरान तीस्ता नदी की 83% यात्रा भारत में और 17% यात्रा बांग्लादेश में होती है। भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कई सालों से विवाद है। बांग्लादेश तीस्ता के 50 फीसदी पानी पर अधिकार चाहता है। जबकि भारत खुद 55 फीसदी पानी चाहता है। जानकारों के मुताबिक अगर तीस्ता नदी जल समझौता होता है तो पश्चिम बंगाल नदी के पानी का मनमुताबिक इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। यही वजह है कि ममता बनर्जी इसे टालती रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी, बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ये तीनों शांति निकेतन में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे।

लंबे समय से अटका है जल बंटवारा समझौता

1815 में नेपाल के राजा और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच तीस्ता नदी के पानी को लेकर समझौता हुआ था। तब राजा ने नदी के बड़े हिस्से का नियंत्रण अंग्रेजों को सौंप दिया। बांग्लादेश के आजाद होने के 12 साल बाद 1983 में दोनों देशों के बीच अंतरिम समझौता हुआ। इसमें बांग्लादेश को 36% और भारत को 39% पानी देने की बात थी, जबकि 25% हिस्से पर बाद में फैसला होना था।

कर्ज से परेशान पाकिस्तान ने शराब एक्सपोर्ट शुरू किया

50 साल पहले इस्लाम का हवाला देकर बैन किया था

इस्लामाबाद, एजेंसी

कर्ज से जूझ रहे पाकिस्तान ने 50 साल बाद फिर से दूसरे देशों को शराब बेचना शुरू कर दिया है। देश की इकलौती लोकल कंपनी मरी ब्रूअरी ने अप्रैल 2026 में ब्रिटेन, जापान, पुर्तगाल और थाईलैंड जैसे देशों को बीयर और अन्य अल्कोहलिक ड्रिंक्स एक्सपोर्ट की हैं। कंपनी के एक्सपोर्ट मैनेजर रमीज शाह के मुताबिक, अभी शुरुआत में विदेशों में नेटवर्क बनाया जा रहा है और आगे चलकर प्रोडक्शन बढ़ाने की योजना है। पाकिस्तान में मुस्लिम आबादी के लिए करीब 50 साल पहले इस्लामिक नियमों का हवाला देकर शराब पर बैन लगाया गया था। इसके बाद शराब का एक्सपोर्ट भी बंद हो गया था। हालांकि, पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों के लिए कुछ छूट थी। पाकिस्तान सरकार ने 2025 में शराब एक्सपोर्ट की अनुमति दी थी, जिसके बाद अब उन देशों में सप्लाई शुरू की गई जो ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (OIC) का हिस्सा नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सरकार की कमाई और खर्च के बीच बड़ा अंतर है। वित्त वर्ष 2026 में सरकार की वास्तविक आय करीब 11,072 अरब पाकिस्तानी रुपए (40 अरब डॉलर) है, जबकि खर्च 16,286 अरब रुपए (58 अरब डॉलर) तक पहुंच चुका है। इसमें से करीब 8,200 अरब रुपए (30 अरब डॉलर) सिर्फ कर्ज के ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं। पाकिस्तान पर इस समय लगभग 38,640 अरब पाकिस्तानी रुपए (138 अरब डॉलर) का बाहरी कर्ज है।

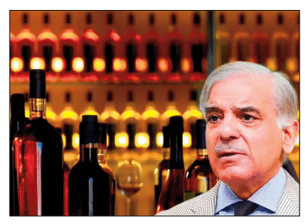

तेजी : इस साल ₹18 हजार महंगा हो चुका, चांदी ₹6 हजार चढ़कर ₹2.46 लाख किलो हुई

सोना ₹3 हजार बढ़कर ₹1.51 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 6 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3 हजार रुपए बढ़कर 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1.48 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 6 हजार रुपए बढ़कर 2.46 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 2.40 लाख रुपए थी। 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। जो अब बढ़कर 2.46 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 16 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

- **मैग्नेट टेस्ट:** असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- **आइस टेस्ट:** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।
- **स्मेल टेस्ट:** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।
- **क्लॉथ टेस्ट:** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है। सोना ₹3 हजार बढ़कर ₹1.51 लाख पर पहुंचा:इस साल ₹18 हजार महंगा हो चुका, चांदी ₹6 हजार चढ़कर ₹2.46 लाख किलो हुई

सोना इस साल 18 हजार और चांदी 16 हजार रुपए महंगी

2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 16 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी।

आईटी कंपनी कॉग्निजेंट में छंटनी की तैयारी

नई दिल्ली। IT सेक्टर की बड़ी कंपनी कॉग्निजेंट अपने वर्कफोर्स में बड़ी कटौती करने जा रही है, जिससे दुनिया भर में 15,000 से ज्यादा कर्मचारियों पर असर पड़ सकता है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस छंटनी में भारत में सबसे ज्यादा कर्मचारियों की नौकरियां जाएंगी, जो ओरेकल और अमेजन के बाद इस साल की सबसे बड़ी टेक छंटनी मानी जा रही है। कॉग्निजेंट के कुल 3.57 लाख से ज्यादा कर्मचारियों में से 2.50 लाख कर्मचारी भारत में काम करते हैं। हालांकि, कंपनी ने छंटनी की सटीक संख्या का अभी ऐलान नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, 12,000 से 15,000 के बीच नौकरियां जा सकती हैं। भारत कंपनी का सबसे बड़ा वर्कफोर्स हब है, इसलिए यहां असर भी सबसे ज्यादा होने की संभावना है। कंपनी ने छंटनी का अनुमान 'प्रोजेक्ट लीप' के तहत तय किए गए बजट के आधार पर लगाया है। 29 अप्रैल को तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान कॉग्निजेंट ने बताया कि वह सेवरेंस कॉस्ट (कर्मचारियों को हटाते समय दिया जाने वाला मुआवजा) पर 230 मिलियन डॉलर से 320 मिलियन डॉलर खर्च करने की उम्मीद कर रही है।

सैमसंग-इलेक्ट्रॉनिक्स की मार्केट वैल्यू 1 ट्रिलियन डॉलर पार

ऐसा करने वाली एशिया की दूसरी कंपनी बनी, एआईकी मांग से सालभर में शेयर 4 गुना बढ़ा

मुंबई, एजेंसी

साउथ कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की मार्केट वैल्यू 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 95.08 लाख करोड़ रुपए के पार हो गई है। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (AI) चिप्स की बढ़ती मांग के कारण दुनिया की इस सबसे बड़ी मेमोरी चिप मेकर कंपनी के शेयरों में पिछले एक साल में करीब 400% की तेजी आई है। बुधवार को कारोबार के दौरान सैमसंग के शेयरों में 15% का उछाल आया है। इसके साथ ही ताइवान की TSMC के बाद सैमसंग यह मुकाम पाने वाली एशिया की दूसरी कंपनी बन गई है। सैमसंग के शेयरों में आई इस तेजी का असर साउथ कोरिया के बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी (Kospi) पर भी दिखा, यह 7,400 के स्तर के ऊपर निकल गया। सैमसंग के साथ-साथ एसके हाइनिक्स (SK Hynix) और टीएसएमसी (TSMC) जैसी कंपनियां ग्लोबल AI इकोसिस्टम में एशिया को एक मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं।

सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में दबदबा और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश ने निवेशकों को चिपमेकर्स की ओर आकर्षित किया है। इसी ट्रेंड की वजह से टेक्नोलॉजी स्टॉक्स में भारी रैली देखी जा रही है।

पिछले एक महीने में एसके हाइनिक्स के शेयरों में 81% से ज्यादा और टीएसएमसी में 21.77% की बढ़त दर्ज की गई है। इससे पहले मार्च तिमाही में सैमसंग के सेमीकंडक्टर डिवीजन के मुनाफे में सालाना आधार पर 48 गुना की बड़ी ग्रोथ देखी गई थी। एआई-आधारित डेटा सेंटर्स से मिल रही मजबूत डिमांड और बेहतर मार्जिन ने कंपनी की कमाई को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिग्गज टेक कंपनी एपल इंक ने अमेरिका में अपने डिवाइसेज के लिए प्रोसेसर बनाने के लिए सैमसंग के साथ शुरुआती बातचीत की है। अगर यह डील फाइनल होती है, तो एपल के लिए टीएसएमसी पर अपनी पुरानी निर्भरता को कम करने का एक बड़ा विकल्प तैयार हो जाएगा। अगर यह डील फाइनल होती है, तो एपल के लिए टीएसएमसी पर अपनी पुरानी निर्भरता को कम करने का एक बड़ा विकल्प तैयार हो जाएगा।

मेरे पास पैसे नहीं, ममता का चुनावी कैंपेन इसी कंपनी ने संभाला था

बंगाल हार के बाद अखिलेश ने आई-पैक से कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनावी रणनीति बनाने वाली कंपनी I-PAC (आई-पैक) के साथ करार तोड़ दिया है। अखिलेश ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा- हां, हमारा संबंध उनसे था। कुछ महीने हमारे साथ उन्होंने काम किया। लेकिन, अब हम साथ काम नहीं कर पा रहे, क्योंकि हमारे पास फंड की कमी है, हम इतना फंड नहीं दे सकते। सपा मुखिया ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा- सोच रहे हैं कि नेशन विद नमो, जैविस जैसी कंपनियों से बात कर ली जाए। हम लोग बैठकर डील बनाएंगे। उनसे कहेंगे कि अगर हमारी सरकार बनवा देंगे तो सूचना विभाग का 90 फीसदी बजट आपको दिलवा देंगे। आई-पैक ही बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) का चुनावी कैंपेन देख रही थी। यूपी में 2027 के लिए अखिलेश ने अपनी चुनावी रणनीति का काम आई-पैक को ही सौंप रखा था। I-PAC ने ही 2021 में तमिलनाडु में डीएमके और पश्चिम बंगाल में टीएमसी को जीत दिलाने में मदद की थी। संबर, 2025 में अखिलेश ने कंपनी के पदाधिकारियों के साथ दिल्ली में पहली मीटिंग की।

66 अखिलेश ने कहा- कुछ लोगों ने हमें चुनाव जितवाने वाली कंपनी के बारे में बताया है। सलाह दी है कि सी-वोटर्स से सर्वे कराइए। एक एवीएम कंपनी है, उसको साथ रखिए। सोशल मीडिया पर किसी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार करना हो तो 360 डिग्री कंपनी से जुड़िए। उसको फंडिंग करिए।

सपा मुखिया ने कहा- जो बंगाल की जनता ने फेस किया है, वो हम 2022 में देख चुके हैं। यही खेल दीदी के साथ हुआ, इतनी फोर्स लगा दी गई थी कि उनके लोग वोट ही नहीं डाल पाए।

स्टालिन और ममता ने आई-पीएसी हायर करने की सलाह दी थी

यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव और CM योगी को टक्कर देने के लिए अखिलेश ने I-PAC के साथ करार किया था। जानकार बताते हैं कि तमिलनाडु के निवर्तमान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और ममता बनर्जी ने अखिलेश को I-PAC हायर करने सलाह दी थी।

अखिलेश ने क्यों डील तोड़ी? पढ़िए 3 वजह

आई-पैक बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन के लिए काम कर रही थी। लेकिन दोनों जगह पार्टियां हार गईं। प्रशांत किशोर के हटने के बाद से आई-पैक कोई खास कमाल नहीं कर पा रही है।

आई-पैक डायरेक्टर विनेश चंदेल को बंगाल चुनाव खत्म होते ही जमानत मिली। शर्त रखी गई है कि वे सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे और गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे। यानी अभी वे जांच के दायरे में रहेंगे। आई-पैक लखनऊ में काम करती तो संभव है कि ईडी लखनऊ भी आएगी। अखिलेश कानूनी पचड़े में नहीं पड़ना चाहते हैं।

अखिलेश को शायद आशंका होगी कि आई-पैक के साथ उनकी विधानसभा चुनाव की प्लानिंग ईडी और केंद्र सरकार तक साझा हो सकती हैं।

कम उम्र में हड्डियां हो रहीं कमजोर

बुलंदशहर। बुलंदशहर के यमुनापुरम स्थित समता आयुर्वेदिक सेंटर में बुधवार को एक निःशुल्क बोन मिनरल डेनसिटी (बीएमडी) जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 175 लोगों की जांच की गई, जिनमें से 160 में हड्डियों का घनत्व (बोन मिनरल डेनसिटी) सामान्य से कम पाया गया। पंचकर्म एवं क्षारसूत्र चिकित्सा विशेषज्ञ वैद्य हितेश कौशिक ने इन आंकड़ों को चिंताजनक बताया। जांच में सामने आया कि 25 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 75 युवाओं में हड्डियों की कमजोरी मिली। इसके अतिरिक्त, 25 से 35 वर्ष की 25 अधिक वजन वाली महिलाओं में भी बीएमडी कम पाई गई। 40 से 60 वर्ष के 25 और 60 वर्ष से अधिक आयु के 20 लोगों में भी यह समस्या सामने आई। वैद्य कौशिक ने विशेष रूप से 30 वर्ष से कम आयु के लोगों में हड्डियों का घनत्व बेहद कम पाए जाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य कारण अनियमित खानपान, व्यस्त जीवनशैली और शारीरिक गतिविधियों की कमी है। मोटापा भी एक प्रमुख कारण है, क्योंकि शरीर में अधिक वसा होने से आवश्यक खनिज हड्डियों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाते।

5 साल के रिकॉर्ड में मई में सबसे ठंडा दिन

20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा पारा, 11.4 डिग्री सेल्सियस गिरा अधिकतम तापमान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार 5 साल के रिकॉर्ड में मई का सबसे ठंडा दिन बन गया। मंगलवार (5 मई) को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले 2021 में 29 मई को 27.8C तापमान दर्ज हुई था। दो दिन मौसम सुहाना रहने के बाद आज (बुधवार) सुबह से तेज धूप निकली। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पार कर सकता है।

न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को सामान्य से 11.4 डिग्री कमी के साथ अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम था।

सोमवार सुबह 8:30 बजे से मंगलवार की सुबह 8:30 बजे तक 16 mm बारिश हुई। इस दौरान अधिकतम नमी 91% दर्ज हुई।

न्यूनतम नमी 66 फीसदी रही। मौसम केंद्र लखनऊ के अधिकारी अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, आज लखनऊ के आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं।

गरजने के साथ एक-दो बार बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है।

फास्ट न्यूज

सपा नेता का 50 साल छोटी लड़की से चौथा निकाह

गाजियाबाद। गाजियाबाद में सपा नेता हाजी खलील ने 50 साल छोटी लड़की से चौथा निकाह कर लिया है। उनकी उम्र 70 साल है। लड़की की सिर्फ उम्र 20 साल है। तीन पत्नियों से उनके 11 बच्चे हैं। सपा नेता के इस निकाह से उनकी दूसरी पत्नी नाजरीन नाराज हैं। नाजरीन मंगलवार को बेटे के साथ कमिश्नर ऑफिस पहुंचीं। एडिशनल पुलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत दी।

इंफ्लूएंसर शादाब जकाती का ज्वैलरी शोरूम सील

मेरठ। मेरठ में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर शादाब जकाती के ज्वैलरी शोरूम जकाती ज्वैलर्स पर आवास विकास की टीम ने आज बुधवार को सील लगा दी है। शिकायत में बताया गया है कि नक्शे के अनुसार शादाब जकाती की शोरूम पार्किंग की जगह बना है। अभी 9 दिन पहले ही 28 अप्रैल को शादाब जकाती ने इस शोरूम की ओपनिंग की थी। जिसे आज आवास विकास की टीम ने सील कर दिया है। शोरूम को सील करने का रीजन फिलहाल मानकों के विपरीत संचालन बताया जा रहा है। यह शोरूम हापुड़ अड्डा रोड स्थित ग्रांड स्कवायर मॉल में बना है। इस पूरे मॉल का संचालन ही मानकों के विपरीत हो रहा है। इसको देखते हुए आवास विकास की टीम पूरा मॉल सील कर रही है। जिसमें जकाती ज्वैलर्स भी शामिल है। भाजपा नेता राहुल ठाकुर ने शिकायत की थी।

परम फाउंडेशन ने वार्षिक सेवा कार्य शुरू किए

अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में सामाजिक संस्था 'परम फाउंडेशन' ने ज्येष्ठ के बड़े मंगल के अवसर पर अपने वार्षिक सेवा कार्यों का शुभारंभ किया है। इस वर्ष इन कार्यों की शुरुआत दहीरपुर स्थित वृद्ध आश्रम में एक भंडारे के आयोजन के साथ हुई। संस्था के सदस्यों ने वृद्ध आश्रम के बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके साथ भोजन साझा किया। यह आयोजन फाउंडेशन के वर्षभर चलने वाले सामाजिक सरोकार के कार्यों की पहली कड़ी थी।

गोमती बैराज ब्रिज डेढ़ महीने बंद रहेगा

4 जर्जर गेट बदले जाएंगे, ट्रैफिक पुलिस रूट डायवर्जन प्लान बना रही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गोमती बैराज (समता मूलक चौक से बालू अड्डा की तरफ) के 4 जर्जर गेटों को अब बदला जाएगा। इसके लिए ब्रिज को करीब डेढ़ महीने के लिए बंद कर दिया जाएगा। सिंचाई विभाग ने बैराज ब्रिज को 7 मई से 15 जून तक बंद रखने का फैसला लिया है।

इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को पत्र भेजकर डायवर्जन लागू करने की मांग की गई है। दरअसल, गोमती बैराज को अब हाईटेक बनाने की तैयारी चल रही है। गंगा बैराज की तर्ज पर यहां भी मैन्युअल सिस्टम खत्म कर कंप्यूटरा-इज्ड कंट्रोल सिस्टम लागू किया जाएगा। इसके तहत बैराज परिसर में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जहां से सभी गेट एक क्लिक से खोले और बंद किए जा सकेंगे।

परियोजना पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

अभी प्लेटफॉर्म पर चढ़कर खोलने पड़ते हैं गेट

फिलहाल बैराज के गेट खोलने और बंद करने की व्यवस्था पूरी तरह मैन्युअल है। ऑपरेटर को प्लेटफॉर्म पर चढ़कर एक-एक गेट संचालित करना पड़ता है। इसमें समय भी ज्यादा लगता है और जोखिम भी बना रहता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद सभी गेटों की मोटरों को केंद्रीकृत सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इससे कंट्रोल रूम से ही पूरा संचालन संभव होगा।

9 गेटों की उम्र पूरी, 2 लगभग बदल चुके

सिंचाई विभाग के मुताबिक, गोमती बैराज पर लगे 9 गेट अपनी तय उम्र पूरी कर चुके हैं। इनमें से 2 गेट बदले जाने का काम लगभग पूरा हो चुका है, जबकि 4 और गेट बदलने की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए बरेली स्टोर से जरूरी सामग्री उपलब्ध कराने की स्वीकृति भी जारी हो चुकी है।

अधिकारियों के अनुसार, 7 मई से गेट बदलने का काम शुरू होगा, जिस पर करीब 5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके बाद केवल एक गेट को छोड़कर बाकी सभी गेट नए और पूरी तरह कार्यशील हो जाएंगे।

अधिकारियों का कहना है कि भारी मशीनरी, मरम्मत कार्य और सुरक्षा कारणों से बैराज ब्रिज पर आम वाहनों की आवाजाही रोकना जरूरी है। इसी वजह से 7 मई से 15 जून तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करेगी ताकि लोगों को कम से कम परेशानी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि कंप्यूटराइजेशन और नए गेट लगने से गोमती नदी के जल प्रबंधन में बड़ा सुधार होगा। बरसात के दौरान जलस्तर बढ़ने पर गेट तुरंत खोले जा सकेंगे, जिससे शहर के निचले इलाकों में जलभराव का खतरा कम होगा।

मंत्री के भाई के आवास पर खुले जिम में रेप

संचालक ने महिला डॉक्टर से दरिंदगी की, वीडियो बनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के भाई के घर के ऊपरी हिस्से में चल रहे जिम में MBBS डॉक्टर से रेप हुआ। दुष्कर्म जिम संचालक ने किया। उसने डॉक्टर को वजन कम करने के नाम पर नशीला ड्रिंक पिलाया। जब वह बेहोश हो गई, तो उसे अपने प्राइवेट रूम में ले गया। इस दौरान जिम संचालक के छोटे भाई ने डॉक्टर के न्यूड वीडियो शूट कर लिए। साथ ही कमरे में लगे हिडन कैमरे से भी वीडियो शूट किए। पिछले महीने (अप्रैल में) जब जिम संचालक ने महिला डॉक्टर को उसके न्यूड वीडियो दिखाकर 50 लाख रुपए मांगे, तब उसे वीडियो के बारे में पता चला। इसके बाद महिला डॉक्टर ने जिम जाना छोड़ दिया। तब दोनों भाई उसके घर पहुंच गए। धमकी देते हुए कहा कि रुपए दो, नहीं तो वीडियो वायरल कर दूंगा। धमकी के बाद लेडी डॉक्टर पुलिस के पास पहुंची। डॉक्टर की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों भाइयों को अरेस्ट कर लिया। पुलिस कस्टडी में दोनों भाई लंगड़ाते हुए दिखे। हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए कहते रहे- साहब हमसे गलती हो गई, अब ऐसा अपराध कभी नहीं करेंगे। मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का है। सिविल लाइंस में बड़े डाकखाना के सामने कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के भाई जागन सिंह का दो मंजिला आवास है। बरेली प्रवास के दौरान मंत्री यहीं रुकते हैं। मंत्री के भाई ने बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर का कुछ हिस्सा रेंट पर दे रखा है।

वायरल बाबा को देवीराम का लड्डू-ढोकला पंसद

आगरा। आगरा में फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले 80 वर्षीय संतोष गोयल का इलाज अब भारतीय सेना करा रही है। दोनों आंखों से नेत्रहीन संतोष गोयल को मंगलवार को आर्मी के जवान अपने साथ कमांड हॉस्पिटल ले गए, जहां उनकी आंखों का इलाज चल रहा है। शाह मार्केट देवीराम स्वीट्स के कर्मचारियों ने बताया- बाबा संतोष गोयल रोज सुबह 10 बजे दुकान पर आ जाते थे। दोनों आंखों से दिखाई नहीं देता था। मैले-कुचैले कपड़े पहने रहते थे। यहां आकर दो ढोकला और दो लड्डू खाते थे। दुकानदार उनसे कभी पैसे नहीं लेते थे। दुकान के स्टाफ ने बताया- हमें पहले से पता था कि बाबा काफी होशियार हैं। बातचीत में बताते थे कि मैंने इंग्लिश से पीएचडी की है। NDA खड़क-वासला, पुणे में कैडेट्स को पढ़ाया है। मेरे पढ़ाए छात्र आज सेना में मेजर, कर्नल हैं।ह हालांकि उन्होंने अपने घर-परिवार के बारे में कभी कुछ नहीं बताया। वीडियो वायरल होने के बाद देशभर में बाबा की चर्चा होने लगी। देवीराम स्वीट्स के कर्मचारी बोले, ₹कमिश्नर साहब ने वीडियो बनाया, उसके बाद से बाबा दिखे नहीं। जिस दिन से सेना के जवान उन्हें ले गए, उस दिन से दुकान पर आना बंद है।

शादी में जा रहे दोस्तों को ट्रक ने रौंदा, 2 मौत

खुद 70 साल के, दूसरी पत्नी ने गाजियाबाद कमिश्नर से शिकायत की

तमसा संकेत, एजेंसी

भरतपुर। भरतपुर के सेवर में एक ट्रक ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। मृतक उत्तर प्रदेश के आगरा के रहने वाले थे। घायल फिरोजाबाद (UP) का रहने वाला है। तीनों भरतपुर शहर में एक शादी समारोह में जा रहे थे। एक्सीडेंट मंगलवार रात 10 बजे जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर बहनेरा के पास हुआ। हादसा इतना भीषण था कि शवों के हाथ-पैर तक कटकर अलग हो गए। सेवर थाना के ASI नरेंद्र कुमार ने बताया कि एक्सीडेंट में नीशू कटारा (27) निवासी सिकंदरा (आगरा), आकाश चौधरी (27) निवासी सिकंदरा (आगरा) की मौके पर ही मौत हो गई। विनीत (23) निवासी फिरोजाबाद घायल है। तीनों एक ही बाइक पर थे और भरतपुर की ब्रज नगर कॉलोनी में एक शादी-समारोह में जा रहे थे। करीब पांच किलोमीटर पहले एक्सीडेंट हो गया। तीनों ने ही हेलमेट नहीं लगाया था। टक्कर इतनी तेज थी कि युवकों के शवों के कई टुकड़े हो गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि चारों ओर खून बिखरा हुआ था। बाइक भी कई मीटर दूर थी। घायल को आईसीयू में भर्ती किया गया है। उसका पैर कटकर अलग हो गया है। वहीं, आरोपी ट्रक ड्राइवर को पुलिस ने मंगलवार रात को ही हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार उसे 4 किलोमीटर दूर पुलिस नाकाबंदी में पकड़ा गया है।

बारात के झगड़े में युवक की पीट-पीटकर हत्या

वाराणसी। वाराणसी में बारात में झगड़े के बाद युवक की हत्या कर दी गई। युवक को बारात से लौटते समय आरोपी युवकों ने पत्थर से सिर और चेहरा कूच दिया। इसके बाद सड़क किनारे शव फेंककर फरार हो गए। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और हत्या का आरोप लगाते हुए सड़क पर धरने पर बैठ गए, जिससे जाम लग गया। परिजनों के मुताबिक, युवक मंगलवार शाम अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए जौनपुर गया था। वहां किसी बात को लेकर कुछ लोगों से विवाद हो गया। इसके बाद लौटते समय घर से करीब 30 किमी दूर रास्ते में उन्हीं लोगों ने उसे घेरकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया, लेकिन परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे रहे। करीब पांच घंटे तक हंगामा चलता रहा। प्रशासन ने परिजनों को लिखित में कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खुल सका। घटना सिंधोरा थाना क्षेत्र की है।

वारदात : हरदोई में मेले से अपहरण किया, फिरौती न देने पर की थी वारदात

बच्चे से कुकर्म-हत्या के आरोपी को एनकाउंटर में मार गिराया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में 7 साल के बच्चे के अपहरण के बाद हत्या के आरोपी महनूर को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर एक दिन पहले ही 50 हजार रुपए का इनाम घोषित हुआ था। पुलिस के मुताबिक, बुधवार तड़के 3 बजे पुलिस ने 27 साल के महनूर को रोका तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में सीने में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ शहर से 50 किमी दूर बाबटमऊ में हुई। पुलिस के मुताबिक, महनूर ने 3 मई को साथियों के साथ मेले में गए बच्चे का अपहरण किया था। पिता को फोन कर 7 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पैसा न देने पर आरोपियों ने बच्चे के साथ कुकर्म किया, फिर उसकी हत्या कर दी। शव को खेत में दफना दिया। पुलिस को जिस नंबर से फिरौती की कॉल आई थी, उसे ट्रेस करते हुए टीम कानपुर पहुंची। वहां से मंगलवार को दो आरोपियों को पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया था। फिर उनकी निशानदेही पर बच्चे का शव बरामद किया। पूछताछ में आरोपियों ने कन्नौज निवासी महनूर का नाम बताया। वह नाम बदलने में माहिर था। उसके दो और नाम थे- शहनूर और मेनुद्दीन। उस पर 12 मुकदमे दर्ज थे। महनूर पहले भी पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार हो चुका था। उसके पिता कन्नौज में खेती करते हैं। वह तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। आरोपी के परिजनो ने बताया कि महनूर पर चोरी का मुकदमा चल रहा था।

पुलिस बोली- रोका तो फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में गोली लगी

पुलिस के मुताबिक, महनूर की तलाश में पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। तड़के 3 बजे बाबटमऊ के पास एक संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भागने लगा। उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके सीने में लगी। उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी की गोली से एसओजी प्रभारी राजेश कुमार घायल हो गए, जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। लेकिन, पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। सिर्फ कागजी औपचा-रिकताएं पूरी करती रही।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली आरोपी के सीने में लगी। उसे जिला अस्पताल लाया गया।

प्रदेश में 3 दिन में दूसरा एनकाउंटर

महनूर से दो दिन पहले यानी सोमवार को अंबेडकरनगर पुलिस ने 19 साल के आमिर को एनकाउंटर में मार गिराया था। उसने 2 मई को महिला और उसके चार बच्चों की हत्या की थी। वह महिला से शादी कर उसकी जमीन हड़पना चाहता था।

पृष्ठ 01 का शेष...

'वंदे मातरम' ...

दिशा-निर्देशों में आगे यह भी स्पष्ट किया गया है कि दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें। गृह मंत्रालय ने स्कूल-कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया है।इस कदम का उद्देश्य स्टूडेंट्स और आम जनता के बीच राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जागरूकता और सम्मान को प्रोत्साहित करना है। यह भी बताया गया है कि जब वंदे मातरम का प्रदर्शन किसी बैंड द्वारा किया जाता है, तो उससे पहले ढोल की थाप या बिगुल की ध्वनि से औपचारिक रूप से गायन की शुरुआत का संकेत दिया जाना चाहिए। 'वंदे मातरम' एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम' भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई। भाजपा ने आरोप लगाया था कि चिट्ठी में नेहरू ने संकेत दिया था कि वंदे मातरम की कुछ लाइनें मुसलमानों को असहज कर सकती हैं। संसद में बहस के दौरान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि राष्ट्रगीत को भी राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय ध्वज के समान दर्जा दिया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस की शुरुआत की थी।

तमिलनाडु में ...

234 सदस्यीय विधानसभा में TVK की 108 सीटें हैं, लेकिन विजय दो सीटों पर जीते हैं, इसलिए एक सीट छोड़ने पर यह 107 रह जाएंगी। कुल सीटें 233 होने पर भी बहुमत 118 ही रहेगा, इसलिए TVK को 11 और विधायक चाहिए। फिलहाल कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन मिला है।उधर, पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का शपथ समारोह 9 मई को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे होगा। प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 7 मई को विधायक दल की बैठक होगी।

जीरो टॉलरेंस...

क्योंकि उत्तर प्रदेश की जो छवि थी। पहचान का संकट था। हम लोग इस बात को मानते थे कि हमें अगर सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है। तो हमें सुरक्षा का एक बेहतर माहौल बनाना होगा। रूल ऑफ लॉ को जमीन पर उतारना होगा। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस को पूरी सख्ती के साथ लागू करना पड़ा था। आज हम इस बात को मान सकते हैं कि हमने उस समय जो कानून का राज स्थापित करने का संकल्प लिया। आज उसने उत्तर प्रदेश के इस मॉडल की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया। सीएम योगी ने कहा- अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥ ये केवल एक श्लोक नहीं है।

यूपी : ब्लास्ट ...

पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के निर्देश पर इन युवाओं को अमीर बनने का लालच देकर कट्टरपंथी बनाया जा रहा था। इनका मकसद संवेदनशील संस्थानों, पुलिस थानों, चौकियों और पुलिसकर्मियों पर हमला कर देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को खतरे में डालना था। कृष्णा मिश्रा के पिता का नाम छोटेलाल मिश्रा है। वह कुशीनगर में थाना जटहां के हरपुर गांव का रहने वाला है। वर्तमान में वह कुशीनगर में ही थाना रविंद्रनगर के बेलवामिश्र में रह रहा था। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। पिता छोटेलाल ने शराब की लत के कारण गांव की पैतृक संपत्ति बेच दी और रविंद्रनगर स्थित अपने हिस्से की जमीन पर घर बनवाया। उसकी मां लाली गृहिणी हैं, जबकि बहन सलोनी की शादी हो चुकी है। छोटेलाल ने चार ऑटो भी खरीदे थे, लेकिन किस्तें न चुका पाने के कारण वे जब्त हो गए। छोटेलाल का एक भाई BSF में है, दूसरा भाई अधिवक्ता है। एक अन्य भाई दुकान चलाता है। परिवार में एक चचेरा भाई बॉक्सिंग करता है, जबकि कुछ अन्य रिश्तेदार LLB की पढ़ाई कर रहे हैं। कृष्णा की पढ़ाई केवल तीसरी या चौथी कक्षा तक ही हुई है। उसे शराब पीने की भी आदत थी। उसके चचेरे भाई के अनुसार, फिलहाल वह दिल्ली में रहकर किसी कंपनी में काम कर रहा था। ATS ने कृष्णा को गोरखपुर से 5 मई को पकड़ा था।

सबरीमाला केस...

कि धार्मिक आधार पर बहिष्कार का अधिकार समुदाय के धार्मिक मामलों के प्रबंधन का हिस्सा है। इसलिए 1949 का कानून संविधान के अनुच्छेद 26(b) के तहत मिले अधिकारों का उल्लंघन करता है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील राजू रामचंद्रन ने सुधारवादी बोहराओं की ओर से दलील दी। उन्होंने कहा कि बहिष्कार सीधे तौर पर मानव गरिमा को प्रभावित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके मुवक्किल के पिता असगर अली इंजीनियर खुद बहिष्कार के शिकार रहे थे।

फिलॉसफी के एग्जाम में बंटा वेस्टर्न फिलॉसफी का पेपर

बीए की परीक्षा में बड़ी गड़बड़ी, छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को बीए सेकंड ईयर की परीक्षा के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई। चौथे सेमेस्टर की परीक्षा में फिलॉसफी विषय के छात्रों को निर्धारित प्रश्नपत्र की जगह "वेस्टर्न फिलॉसफी" का प्रश्न पत्र बांट दिया गया। गलत पेपर मिलने से परीक्षा कक्षों में अफरा-तफरी मच गई और स्टूडेंट्स परेशान हो गए। जानकारी के मुताबिक, लखनऊ सहित 5 जिलों के 295 परीक्षा केंद्रों पर सेमेस्टर परीक्षाएं हो रही हैं। बुधवार यानी 6 मई को बीए NEP सेकंड ईयर की चौथे सेमेस्टर में दोपहर बजे से साढ़े 3 बजे तक फिलॉसफी का पेपर था। इसी दौरान सभी केंद्रों पर फिलॉसफी विषय के स्थान पर वेस्टर्न फिलॉसफी का प्रश्नपत्र वितरित कर दिया गया। छात्रों ने जब प्रश्न पत्र देखा तो उसमें पूछे गए सवाल सिलेबस और निर्धारित विषय से अलग थे। इसके बाद परीक्षा कक्षों में हंगामे की स्थिति बन गई। छात्रों का आरोप है कि गलत प्रश्न पत्र मिलने से उनका काफी समय बर्बाद हो गया। कई छात्र प्रश्नपत्र देखकर घबरा गए और उन्हें समझ ही नहीं आया कि परीक्षा कैसे दें? कुछ केंद्रों पर छात्रों ने तत्काल परीक्षा नियंत्रकों और कक्ष निरीक्षकों से शिकायत की। बाद में विश्वविद्यालय प्रशासन को मामले की जानकारी दी गई। घटना से नाराज छात्र बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन पहुंच गए। यहां छात्रों ने प्रशासनिक भवन का घेराव करते हुए कुलपति कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। उनका कहना था कि विश्वविद्यालय की लापरवाही का खामियाजा छात्रों को नहीं भुगतना चाहिए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676